जिस कमरे में पहनाया मंगलसूत्र वहीं ले ली प्रेमिका की जान...

कत्ल के बाद मुंबई भागा था आरोपी

धर्मेन्द्र सिंह चौहान

इंदौर. प्रेमिका की हत्या कर वह इंदौर से भाग गया. शहर बदला, ठिकाना बदला, लेकिन मुंबई पहुंचने के बाद उसकी गतिविधियों ने इस हत्याकांड को एक रहस्यमय मोड़ दे दिया. वह हल्दी-कुमकुम, चूड़ियां और बिंदी जैसी चीजें खरीदने लगा, फिर नालासोपारा के एक सुनसान इलाके में उसकी आत्मा से संपर्क करने की कोशिश करने पहुंचा. जिस युवती की हत्या का आरोप उसी पर था, उसकी आत्मा से संपर्क करने की कोशिश आखिर क्यों? इस सवाल का जवाब तलाशने से पहले लौटते हैं इंदौर की उस गली में, जहां एक बंद कमरे के भीतर हुई हत्या का राज दुर्गंध से खुला था.

आरोपी पकड़ाया

इंदौर का 'एमबीए छात्रा हत्याकांड'

शक बना तनाव की वजह

13 फरवरी 2026 को द्वारकापुरी क्षेत्र की अंकल गली में एक कमरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी. कमरे पर ताला लगा था, पुलिस ने ताला खुलवाया तो अंदर 24 वर्षीय एमबीए छात्रा का शव मिला. जांच में सामने आया कि उसकी हत्या कुछ दिन पहले ही कर दी गई थी. कमरे पर बाहर से ताला लगा था और आरोपी का कोई पता नहीं था. पुलिस ने छात्रा के संपर्कों की पड़ताल शुरू की तो शक उसके साथ पढ़ने वाले पीयूष धामनोदिया पर गया. पीयूष और छात्रा के बीच प्रेम संबंध थे. दोनों एमबीए की पढ़ाई कर रहे थे.

रिश्ता इतना आगे बढ़ चुका था कि जनवरी 2026 में पीयूष ने अपने कमरे में छात्रा को मंगलसूत्र भी पहनाया था, लेकिन कुछ समय बाद उनके बीच शक और विवाद बढ़ने लगे. पीयूष छात्रा के मोबाइल पर होने वाली बातचीत और डेटिंग ऐप से जुड़ी गतिविधियों को लेकर संदेह करता था. यही शक दोनों के बीच तनाव की वजह बन रहा था.

परिजनों को गुमराह करने की कोशिश

पुलिस की जांच के अनुसार, 10 फरवरी को विवाद के दौरान पीयूष ने कथित तौर पर छात्रा की गला घोंटकर हत्या कर दी. जांच में उसके हाथ-पैर बंधे होने और शरीर पर चोट के निशान मिलने की बात भी सामने आई. हत्या के बाद उसने कमरे पर ताला लगाया और वहां से निकल गया. आखिरकार दुर्गंध ने लोगों का ध्यान खींचा और पुलिस मौके पर पहुंची.

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने छात्रा के मोबाइल से संदेश भेजकर उसके परिजनों को गुमराह करने की कोशिश की. उस पर छात्रा का आपत्तिजनक वीडियो कॉलेज के व्हाट्सऐप समूह में साझा करने का आरोप भी सामने आया. पुलिस उसकी तलाश में जुटी तो पता चला कि वह इंदौर छोड़कर मुंबई भाग गया है. तलाश के बाद पुलिस ने उसे मुंबई के अंधेरी इलाके से गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से छात्रा की अंगूठी और आधार कार्ड मिलने की बात भी सामने आई. जिस रिश्ते की शुरुआत प्यार और मंगलसूत्र से हुई थी, उसका अंत हत्या के आरोप पर हुआ.

करने लगा ऐसा काम कि पुलिस भी रह गई हैरान...

मुंबई पहुंचने के बाद पीयूष छात्रा की आत्मा से संपर्क करने के तरीके तलाश रहा था. वह नालासोपारा के एक सुनसान इलाके में कथित तौर पर अनुष्ठान करने की कोशिश करने भी पहुंचा. इसके लिए उसने हल्दी, कुमकुम, चूड़ियां और बिंदी जैसी चीजें खरीदी थीं. यह वही युवती थी, जिसकी हत्या के बाद वह इंदौर से भाग निकला था. अब उसी की आत्मा से संपर्क करने की कोशिश करने की बात सामने आ रही थी. वह ऐसा क्यों कर रहा था, इसके पीछे उसकी क्या सोच थी, ये सवाल जांच का हिस्सा थे. पुलिस के सामने एक तरफ हत्या और उससे जुड़े साक्ष्य थे, तो दूसरी तरफ आरोपी की गिरफ्तारी के बाद सामने आया यह विचित्र घटनाक्रम.

कंबोडिया कनेक्शन : कानपुर में फर्जी कंपनी बनाकर चल रहा था नेटवर्क

बेंगलुरु की 'दिव्या' बनकर सीए को लगाया बाईस करोड़ का चूना

रविन्द्र सिंह चौहान

ट्रेडिंग में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर ग्वालियर के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से 21.5 करोड़ रुपए ठगने के हाई-प्रोफाइल मामले की जड़ें अब कंबोडिया तक पहुंच गई हैं. राज्य साइबर पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि यह पूरा नेटवर्क कंबोडिया में चल रहे एक कॉल सेंटर से ऑपरेट हो रहा था.

पुलिस ने इस मामले में कानपुर में दबिश देकर तीन और अकाउंट हैंडलर्स को गिरफ्तार किया है. इससे पहले भी इस केस में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है. नए पकड़े गए आरोपियों के पास से कई फर्जी ई-मेल आईडी, विदेशी सर्वर के सबूत और डिजिटल ट्रेल मिले हैं. पुलिस का कहना है कि यह संगठित साइबर गिरोह का हिस्सा है और इसमें अभी कई और कड़ियां जुड़ना बाकी हैं.

जांच टीम में एसआई शैलेंद्र राठौर, हिमानी पाठक, आरक्षक पुष्पेंद्र यादव और रामचित्र शामिल रहे, जिन्होंने तकनीकी इनपुट और लोकेशन ट्रेस के आधार पर कानपुर में कार्रवाई की.

कैसे फंसाया सीए को ?

पीड़ित सीए को बेंगलुरु की रहने वाली दिव्या सिंह बनकर कॉल किया गया था. जांच में पता चला कि कॉल कंबोडिया से किया जा रहा था. पहले एक नकली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर छोटा निवेश करवाकर मुनाफा दिखाया, भरोसा जीता. इसके बाद धीरे-धीरे करके 21.5 करोड़ रुपए तक निवेश करवा लिया. जब सीए ने पैसा निकालना चाहा तो फर्जी वेबसाइट और एप दोनों बंद हो गए.

फर्जी कंपनी और एपीके से रिमोट फ्रॉड

राज्य साइबर जोन प्रभारी संजीव नयन शर्मा के अनुसार आरोपियों ने कानपुर में 'विकनोवा बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड' के नाम से फर्जी कंपनी बनाई. इसी के नाम पर करंट अकाउंट खुलवाया और ठगी की रकम उसी में मंगवाई. सबसे चौंकाने वाला तरीका - आरोपी एपीके फाइल के जरिए दूसरे राज्यों के लोगों के बैंक खातों को रिमोटली ऑपरेट करते थे. इसके लिए विदेशी ई-मेल आईडी और एक अलग सर्वर से कंट्रोल होने वाली फर्जी वेबसाइट का इस्तेमाल होता था.

सिर्फ ग्वालियर नहीं, 5 राज्यों में फैला जाल

पुलिस अधिकारी मुकेश कुमार नारोलिया ने बताया कि जांच में इसी संयुक्त करंट अकाउंट में देश के पांच अलग-अलग राज्यों से करीब 1 करोड़ 37 लाख रुपए के संदिग्ध फ्रॉड ट्रांजेक्शन भी मिले हैं. इससे साफ है कि यह गिरोह सिर्फ ग्वालियर के सीए का ही नहीं, बल्कि देशभर में कई लोगों को शिकार बना चुका है. अब पुलिस ठगी की पूरी रकम कहां-कहां गई और कंबोडिया कॉल सेंटर के भारतीय हैंडलर्स कौन हैं, इसकी जांच कर रही है.

मनोरंजन

बॉक्स ऑफिस पर भिड़ेंगी पांच बड़ी फिल्में

इस सप्ताह सिनेमाघरों में दर्शकों को मनोरंजन की अलग-अलग खुराक मिलने वाली है. 15 और 16 अक्टूबर को पांच बड़ी फिल्मों की रिलीज के साथ बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है. इनमें रजनीकांत की 'जेलर 2', राजकुमार राव की 'प्रहार', यामी गौतम की 'नई नवेली', विजय देवरकोंडा की 'राणाबाली' और हॉलीवुड की 'स्ट्रीट फाइटर' शामिल हैं.

रजनीकांत का स्वैग

रजनीकांत की 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है. दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनकी लोकप्रियता फिल्म के लिए बड़ी ताकत मानी जा रही है. हालांकि, हिंदी भाषी क्षेत्रों में फिल्म के सीमित शो दूसरी फिल्मों के लिए कुछ राहत दे सकते हैं. खासकर दक्षिण भारत में 'जेलर 2' और 'राणाबाली' के बीच मुकाबला देखने को मिल सकता है.

कोर्टरूम ड्रामा में राजकुमार

राजकुमार राव की 'प्रहार' 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आएगी. फिल्म में कसाब को फांसी तक पहुंचाने वाले वकील उज्ज्वल निकम की चुनौतीपूर्ण यात्रा दिखाई जाएगी. कोर्टरूम ड्रामा और गंभीर विषय फिल्म को अलग पहचान दे सकते हैं. राजकुमार राव के अभिनय पर भी दर्शकों की नजर रहेगी.

यामी का हॉरर अवतार

'नई नवेली' में यामी गौतम एक नई दुल्हन के रूप में डर और रहस्य से भरी कहानी का हिस्सा बनेंगी. फिल्म में चौंकाने वाले मोड़ और हॉरर का माहौल दर्शकों को आकर्षित कर सकता है.

इतिहास -एक्शन का मेल

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की 'राणाबाली' 19वीं सदी में ब्रिटिश शासन के दौरान विद्रोह की कहानी पेश करेगी. वहीं, 'स्ट्रीट फाइटर' में विद्युत जामवाल मार्शल आर्ट के दमदार एक्शन के साथ नजर आएंगे. यह उनका हॉलीवुड पदार्पण है.

अलग-अलग विषयों वाली इन फिल्मों के बीच मुकाबले का नतीजा दर्शकों की पसंद, एडवांस बुकिंग, समीक्षाओं और सिनेमाघरों में मिलने वाले शो पर निर्भर करेगा. अब देखना होगा कि सितारों की लोकप्रियता किस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बढ़त दिलाती है.

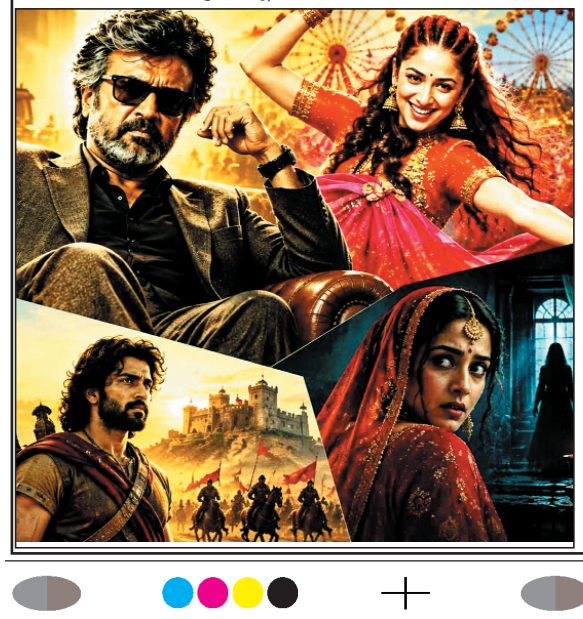

शादी नहीं, पर बच्चे चाहते हैं सलमान खान!

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं. करण जौहर के चर्चित चैट शो कॉफी विद करण के सीजन 9 में सलमान खान पहले मेहमान के रूप में नजर आने वाले हैं. शो के दौरान करण ने उनसे अकेलेपन, शादी और बच्चों को लेकर सवाल किए. रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान ने इस बातचीत में पिता बनने की इच्छा जाहिर की.

रिपोर्ट्स के अनुसार, करण जौहर ने सलमान से पूछा कि क्या उन्हें अपनी जिंदगी में बच्चे की कमी महसूस होती है. इस पर सलमान ने कहा कि वह किसी दिन अपना बच्चा जरूर चाहते हैं. उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले वर्षों में पिता बनने पर उन्हें बच्चे के साथ समय बिताने और उसे बड़ा होते देखने का मौका मिल सकता है.

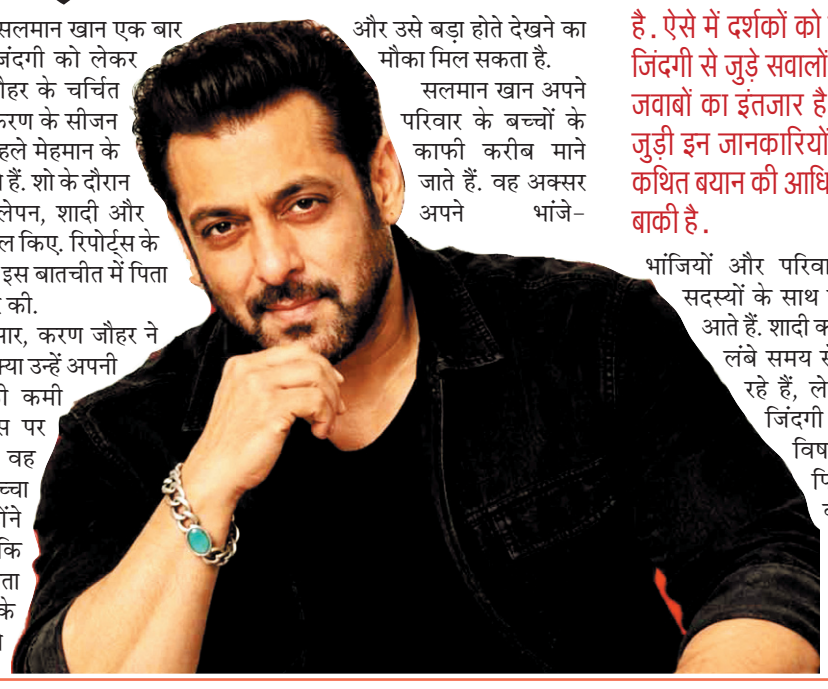

सलमान खान अपने परिवार के बच्चों के काफी करीब माने जाते हैं. वह अक्सर अपने भांजे-भांजियों और परिवार के अन्य छोटे सदस्यों के साथ समय बिताते नजर आते हैं. शादी को लेकर सलमान से लंबे समय से सवाल पूछे जाते रहे हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी हमेशा चर्चा का विषय बनी रहती है. पिता बनने की इच्छा को लेकर सामने आई इस बातचीत ने एक बार फिर प्रशंसकों का ध्यान खींचा है.

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कॉफी विद करण का सीजन 9, 14 अक्टूबर से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा और इसकी शुरुआत सलमान खान के एपिसोड से होगी. करण जौहर ने इस सीजन को शो का आखिरी सीजन बताया है. ऐसे में दर्शकों को सलमान की निजी जिंदगी से जुड़े सवालों और उनके बेबाक जवाबों का इंतजार है. हालांकि, शो से जुड़ी इन जानकारियों और सलमान के कथित बयान की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है.

रश्मिका मंदाना ने 400 परिवारों को लिया गोद

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी फिल्मों के साथ-साथ सामाजिक कामों को लेकर भी चर्चा में हैं. अपनी आगामी फिल्म 'रणबाली' में जयम्मा का किरदार निभा रहीं रश्मिका ने 400 जरूरतमंद परिवारों की मदद करने का संकल्प लिया है. वह इन परिवारों के राशन का खर्च उठाएंगी, ताकि वे अपनी बचत का इस्तेमाल भविष्य की जरूरतों के लिए कर सकें.

जयम्मा से खुद की तुलना

रश्मिका ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस पहल की जानकारी साझा की. उन्होंने बताया कि प्रशंसक अक्सर उनसे पूछते हैं कि फिल्म में उनके किरदार जयम्मा और उनमें क्या समानता है. अभिनेत्री के मुताबिक, जरूरतमंदों की मदद करने का जज्बा उनमें और उनके किरदार में एक समान है. उन्होंने कहा कि वह पहले भी इस तरह के काम करती रही हैं, लेकिन उन्होंने इसे निजी रखना पसंद किया. अब वह इस बारे में खुलकर बात कर रही हैं, ताकि दूसरे लोग भी जरूरतमंदों की मदद करने के लिए प्रेरित हों.रश्मिका ने अपनी पोस्ट में बताया कि उन्होंने शुरुआत में 400 परिवारों की मदद करने का फैसला किया है. वह एक बार में इन परिवारों के तीन महीने के राशन का खर्च उठाएंगी और

टेलीविजन हलचल

पिता की याद में भावुक हुए हिमेश रेशमिया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए 'इंडियन आइडल : लीजेंड्स रिटर्न' लेकर आ रहा है. शो के प्रीमियर एपिसोड में संगीत और भावनाओं से भरा एक खास पल देखने को मिलेगा. सलमान अली और मोहम्मद दानिश की जोड़ी जब 'मैं जहां रहूं' गाने पर प्रस्तुति देगी, तो हिमेश रेशमिया भावुक हो जाएंगे. इस गीत ने उन्हें उनके दिवंगत पिता की याद दिला दी. प्रस्तुति के बाद हिमेश रेशमिया ने कहा, 'शानदार. आज यह गाना दोबारा सुनकर मैं थोड़ा भावुक हो रहा हूं. मेरे डैड नहीं हैं और यह उनका भी पसंदीदा गाना था. तुम लोगों ने अचानक यह गाना गाया, तो उनसे जुड़ी यादें सामने आ गईं. मेरे लिए तो वह हमेशा मेरे साथ हैं. जब हमारे करीबी लोग हमसे दूर चले जाते हैं, तो उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं. आई लव यू डैड, मुझे आपकी बहुत याद आती है.' उन्होंने आगे कहा कि उनके पिता उन्हें देख रहे होंगे. शायद उन्हें हिमेश का इस तरह भावुक होना अच्छा नहीं लग रहा होगा, लेकिन उन्हें अपने पिता की सचमुच बहुत याद आती है. यह भावुक पल दिखाता है कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों को उनकी निजी और अनमोल यादों से जोड़ने का जरिया भी है. यह उन सभी लोगों के दिल को छू जाता है, जिन्होंने अपने किसी करीबी को खोने का दर्द महसूस किया है. फ्रेमैन्टल द्वारा निर्मित 'इंडियन आइडल : लीजेंड्स रिटर्न' संगीत की ताकत और कलाकारों से जुड़ी व्यक्तिगत कहानियों को सामने लाएगा.

माधुरी दीक्षित ने सुनाया शूटिंग का दिलचस्प किस्सा

सलमान खान और माधुरी दीक्षित की सुपरहिट फिल्म 'हम आपके हैं कौन' का गाना 'दीदी तेरा देवर दीवाना' आज भी दर्शकों के पसंदीदा गीतों में शामिल है. इस गाने में दोनों की शानदार केमिस्ट्री ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. लेकिन पर्दे पर आसानी से फिल्माया हुआ नजर आने वाला एक दृश्य शूट करने में पूरी टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी. माधुरी ने हाल ही में अपने रियलिटी शो 'कोण होणार करोडपती' में इस पुराने किस्से को साझा किया.

माधुरी ने बताया कि गाने के एक दृश्य में सलमान खान के किरदार प्रेम को गुलेल से उनके किरदार निशा पर फूल मारना था. इस छोटे से दृश्य को सही तरीके से फिल्माने के लिए 15 रीटेक लेने पड़े थे.

माधुरी के मुताबिक, शूटिंग के दौरान कई तरह की तकनीकी दिक्कतें सामने आईं. कभी सलमान का निशाना चूक जाता था, तो कभी गुलेल से निकलने के बाद फूल बीच में ही टूट जाता था. कई बार फूल नीचे गिर जाता था और दृश्य ठीक से फिल्माया नहीं जा पाता था. इसी वजह से एक ही शॉट को बार-बार दोहराना पड़ा. माधुरी ने शो में प्रतियोगी प्राजक्ता तावड़े से बातचीत के दौरान यह अनुभव साझा किया. इस किस्से से पता चलता है कि फिल्मों में कुछ सेकंड के दृश्य को पर्दे पर सहज और प्रभावशाली बनाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कितनी मेहनत करनी पड़ती है. 'हम आपके हैं कौन' के इस गाने की लोकप्रियता आज भी बरकरार है और इससे जुड़े ऐसे किस्से प्रशंसकों के लिए फिल्म की यादों को फिर ताजा कर देते हैं.

'जेलर 2' की ऑनलाइन रिलीज पर रोक

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' रिलीज से पहले कानूनी वजहों से चर्चा में है. मद्रास हाई कोर्ट ने फिल्म की अनधिकृत ऑनलाइन रिलीज पर रोक लगाने का आदेश दिया है. फिल्म के निर्माताओं ने अदालत में याचिका दायर कर वेबसाइटों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्म को अवैध रूप से अपलोड किए जाने से रोकने की मांग की थी. फिल्म कल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. निर्माताओं ने याचिका में कहा कि फिल्म रिलीज होने के कुछ ही समय बाद उसे विभिन्न वेबसाइटों पर अपलोड कर दिया जाता है. इससे फिल्म के कारोबार और निर्माताओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. याचिका के मुताबिक, रिलीज के 30 मिनट के भीतर ही फिल्म के ऑनलाइन उपलब्ध होने का खतरा रहता है.